A Visit to Cambridge

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» Understanding disability beyond labels

प्रश्न 1 (आसान). "Different-ly abled" कहने से हमें क्या बदलकर सोचना चाहिए?
उत्तर – इंसान को लेबल नहीं, उसकी अलग तरह की क्षमताओं और personality के साथ देखना चाहिए।

प्रश्न 2 (आसान). Stereotype का मतलब यहाँ क्या है?
उत्तर – Disabled लोगों के बारे में बिना जाने तय कर लेना–जैसे 'हमेशा दुखी' या 'हमेशा बहादुर'।

प्रश्न 3 (मध्यम). लेखक को लोगों से fed up होने का कारण क्या बताया गया है?
उत्तर – लोग हर बार उनसे brave बनने को कहते हैं, जैसे हर समय 'courage' दिखाना पड़े–और दया/गलत तरीके से देखना परेशान करता है।

प्रश्न 4 (कठिन). अगर कोई कहे 'disabled लोगों में कोई अच्छी बात नहीं होती', तो चैप्टर से तुम्हारा सही जवाब क्या होगा?
उत्तर – चैप्टर ईमानदारी से दिखाता है कि 'good' कहना हर किसी के लिए आसान नहीं–पर साथ ही यह भी दिखाता है कि disability के बावजूद इंसान की dignity, thoughts, choices और achievements होते हैं; इसलिए सिर्फ एक झूठा general statement नहीं, इंसान को समझना जरूरी है।

» Hawking's life and communication through technology

प्रश्न 5 (आसान). Hawking 'speak' कैसे करते थे?
उत्तर – वे कंप्यूटर के buttons दबाकर।

प्रश्न 6 (आसान). किताब के अनुसार उनकी आवाज़ कौन बोलती थी?
उत्तर – Computer-voice, जो उनके लिए बोलती थी।

प्रश्न 7 (मध्यम). क्यों writer को conversation के दौरान 'practical reality' महसूस होती थी?
उत्तर – क्योंकि Hawking के पास limited movement था और उन्हें words/phrases computer पर बनाकर जवाब देना पड़ता था–हर जवाब आसानी से नहीं निकलता था।

प्रश्न 8 (कठिन). "I've had no choice." इस बात का सही मतलब क्या है Hawking की communication के संदर्भ में?
उत्तर – उनकी body की condition के कारण direct बोलने का विकल्प नहीं था; इसलिए technology ही उनकी communication का रास्ता बन गई–उन्होंने वही रास्ता अपनाया।

» How people react: patronage vs respect

प्रश्न 9 (आसान). Hawking कहते हैं–"I find it amusing when people patronise me." इसका मतलब क्या है?
उत्तर – लोगों का 'ऊपर से' दया/अहसान वाला व्यवहार उसे चिढ़ाता नहीं, बल्कि ऐसा दिखता है कि वो उसे छोटे समझते हैं।

प्रश्न 10 (आसान). Respect का एक संकेत लिखो।
उत्तर – सामने वाले की गरिमा और उसकी पसंद/निर्णय को ध्यान में रखना।

प्रश्न 11 (मध्यम). कोई कहे: "तुम परेशान मत हो, मैं सब कर दूँगा।" क्या ये हमेशा respect होगा?
उत्तर – हमेशा नहीं। अगर वह आपकी पसंद/काम करने के अधिकार को नहीं पूछता और क्षमता को कम समझता है, तो ये patronage बन सकता है।

प्रश्न 12 (कठिन). लेखक के अनुसार, admiration/pity सुनकर भी कभी-कभी क्या नुकसान हो सकता है? एक कारण लिखो।
उत्तर – जब दैनिक दिक्कतें और दायरा (जिंदगी) बहुत दबाव वाला हो, तब सिर्फ बाहरी admiration/pity 'काम की राहत' नहीं देती–सामने वाले को छोटा या गलत तरीके से देखा जाने का अहसास हो सकता है।

» Feelings about disability: choice, anguish, and strength

प्रश्न 13 (आसान). लेखक किस बात से साफ करती हैं कि "disabled people" हमेशा "chronically unhappy" नहीं होते?
उत्तर – वह कहती हैं "I know that's not true myself" और पूछती हैं "Are you often laughing inside?"

प्रश्न 14 (आसान). लेखक के सामने वाला व्यक्ति patronise होने पर क्या कहता है?
उत्तर – "I find it amusing when people patronise me."

प्रश्न 15 (मध्यम). "frustrated exhaustion" से क्या समझ आता है?
उत्तर – यानी कोशिश करते करते गहरी निराशा और थकान–किसी चीज़ में रुकावट होने से frustration आती है।

प्रश्न 16 (मध्यम). आँखों में 'anguish' महसूस होने का मतलब क्या लिया जा सकता है?
उत्तर – मन में thoughts तो हैं, पर उन्हें words/phrases में निकालना कठिन पड़ रहा है–इस gap से distress होता है।

प्रश्न 17 (कठिन). अगर कोई कहे "बहुत दया करो, यही अच्छा है," तो chapter के आधार पर आप क्या जवाब दोगे?
उत्तर – दया 'sentimental pity' बन जाती है तो respect नहीं रहता। सही मदद वह है जो उसकी dignity और work/choice को बनाए, forcing और disturbance न करे–क्योंकि उसके अनुसार patronise करना amusing हो सकता है, पर disturbance annoying भी हो सकता है।

» Imagery and meaning: 'incandescence' and 'accessory'

प्रश्न 18 (आसान). 'accessory' शब्द का सही meaning कौन सा है?
उत्तर – Extra, not essential

प्रश्न 19 (आसान). 'incandescence' से लेखक क्या feel कराना चाहती हैं?
उत्तर – Inner glow/inner light

प्रश्न 20 (मध्यम). 'case made of shadows' से कौन सा idea निकलता है?
उत्तर – Body/outer form छाया जैसी, बदलने वाली बाहरी चीज़ है; पूरी पहचान नहीं

प्रश्न 21 (कठिन). अगर 'everything else an accessory' है, तो लेखक के हिसाब से disabled व्यक्ति की identity किससे जुड़ती है?
उत्तर – उसके अंदर की humanity/जीवन-चमक (incandescence) से; केवल बाहर की abilities/appearance से नहीं

» Hawking's message: focus on abilities and kindness in the world

प्रश्न 22 (आसान). Hawking का main advice क्या है–लोग किस पर concentrate करें?
उत्तर – वे लोग जो good at हैं, उसी पर focus करें।

प्रश्न 23 (आसान). लेखक Hawking के message से अपनी कौन-सी सोच बदलती महसूस करती है?
उत्तर – वह कमी/परेशानी गिनने की बजाय abilities और kindness देखने लगती है।

प्रश्न 24 (मध्यम). लेखक ने अपने Spanish guitar वाले अनुभव को याद करके क्या दिखाया?
उत्तर – कि जब कोई चीज़ बहुत बड़ी/असंगत लगे, तब भी व्यक्ति सीख लेकर आगे बढ़ सकता है–और अपनी सही ताकत पर लौटना ज़रूरी है।

प्रश्न 25 (मध्यम). 'disabled Olympics' को Hawking 'waste of time' क्यों मानते हैं–इसका भाव क्या निकलता है?
उत्तर – कि अलग category में बाँटने वाली तुलना से ज्यादा जरूरी abilities को recognize करना और equal respect देना है।

प्रश्न 26 (कठिन). एक सीन लिखो: तुम किसी classmate की skill देखते हो, और pity की जगह उसकी ability के हिसाब से मदद करते हो। इस message से link करके 4-5 lines लिखो।
उत्तर – तुम देखोगे कि वह लिख नहीं पाता पर बोलकर समझा देता है; तुम उसे group explanation का काम दोगे और उसके confidence को बढ़ाओगे, क्योंकि 'what they are good at' पर focus करना ही असली मदद है।

» Writer's takeaway: empathy, gratitude, and a changed journey

प्रश्न 27 (आसान). लेखक को guilt क्यों महसूस होती है?
उत्तर – क्योंकि उसे लगता है कि वो Hawking से लगातार बोलने/जवाब लेने को मजबूर कर रही है–उसके respect में गलती न हो जाए।

प्रश्न 28 (आसान). Admiration किस वजह से बनती है?
उत्तर – Hawking की dignity, honest replies और उनके quiet courage वाले अंदाज़ को देखकर।

प्रश्न 29 (मध्यम). Relief और exhilaration में फर्क कैसे समझोगे?
उत्तर – Relief तब है जब मन को उम्मीद/सुकून मिलता है कि अभी कुछ संभव है; exhilaration तब है जब possibilities के बारे में उत्साह और ऊर्जा ज्यादा बढ़ जाती है।

प्रश्न 30 (कठिन). 'Changed journey' का मतलब लेखक के अनुभव के हिसाब से क्या है?
उत्तर – लेखक का नज़रिया करुणा/दया वाली सोच से हटकर abilities और possibilities पर टिकता है; empathy और gratitude की वजह से उसकी उम्मीद मजबूत हो जाती है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. एक छात्र कहता है: "दिव्यांग लोग तो हमेशा दुखी होते हैं।" इस बात को चैप्टर के संदेश के हिसाब से कैसे समझोगे?

› पहले देखें: ये 'सिर्फ लेबल' से बनने वाली सोच है, इंसान को जानकर नहीं।
› chapटर का संदेश याद करो: disability को 'differently abled' की तरह देखते हैं–व्यक्ति की क्षमताएँ और व्यक्तित्व।
› स्टीरियोटाइप (जैसे 'हमेशा दुखी') को चुनौती दो: Hawking जैसे लोग महान काम करते दिखाए गए हैं।
› फिर attitude बदलो: pity/patronise नहीं, respect के साथ इंसान को उसकी तरह समझो।

उत्तर – दिव्यांग होना किसी की भावनाओं या क्षमता तय नहीं करता। चैप्टर बताता है कि disability के साथ भी लोग thinkers/creators हो सकते हैं, और society अक्सर stereotypes से गलत निष्कर्ष निकालती है।

उदाहरण 2. प्रश्न: Hawking की communication के बारे में किताब में दिए संकेतों के आधार पर बताइए–जब Hawking को 'speak' करना होता था, तो वे क्या करते थे और उनकी 'आवाज़' किस तरह सुनाई देती थी?

› पता करो कि 'speak' करने का तरीका क्या बताया गया है–किताब buttons दबाने की बात करती है।
› फिर देखो आवाज़ किससे बोलती थी–किताब कहती है computer voice बोलती थी।
› आख़िर में समझाओ कि ये आवाज़ कैसी होती थी–machine-like voice, inflection कम/न के बराबर।

उत्तर – Hawking कंप्यूटर पर buttons punching करके 'speak' करने लायक संदेश बनाते थे, और computer-voice उनके लिए machine-like आवाज़ में बोलती थी।

उदाहरण 3. एक दोस्त disabled छात्र को देखता है और बोलता है: "अरे तुम अकेले कहाँ कर पाओगे? मैं ही तुम्हारा काम कर देता हूँ।" क्या यह patronage है या respect? समझाइए।

› पहले देखें दोस्त क्या मान रहा है: 'तुम अकेले नहीं कर पाओगे'–यानी क्षमता कम करके दिखाना।

› देखो कार्रवाई क्या है: काम छीन लेना, उसकी पसंद/तरीका पूछे बिना कर देना।

› अब तुलना करें: respect में इंसान की dignity और agency (खुद निर्णय/खुद करना) बचती है।

› इस वाक्य में agency खत्म हो रही है और ऊपर से अहसान दिख रहा है–तो ये patronage है।

उत्तर – यह patronage है, क्योंकि दोस्त सामने वाले को कमज़ोर मानकर काम छीन रहा है और उसकी dignity/agency का सम्मान नहीं कर रहा।

उदाहरण 4. मान लो आप लेखक वाली situation में हैं। सामने वाला कहता है: "I've had no choice." आप सोचते हो कि इसका मतलब है–"तो उसे कुछ भी बदलने/अपना काम करने का अधिकार नहीं।" इस सोच को कैसे सही बनाओगे ताकि respect और strength दोनों सही तरीके से दिखें?

› पहचानो: "I've had no choice" एक feeling/statement हो सकता है, अंतिम फैसला नहीं। पीछे choice/possibilities भी हो सकती हैं।

› अपनी मदद "forcing" न बनाओ: बात करके response पर मजबूरी मत बनाओ–space दो।

› उसकी frustration/anguish को समझो: हो सकता है वह annoyed भी हो, उसे "disturb" करने पर "Yes" जैसा जवाब आए।

› Sentimental pity नहीं: उसकी agency, work और laugh/joy की संभावना भी देखो।

उत्तर – आप निष्कर्ष यह बनाओगे कि 'no choice' की बात से आप उसकी agency खत्म नहीं कर सकते। आप उसे space दोगे, उसकी frustration/anguish को समझकर उसे disturb नहीं करोगे, और strength को "forced bravery" नहीं बल्कि उसकी possibilities के साथ सही तरह जीने की capacity के रूप में देखोगे।

उदाहरण 5. एक लाइन पढ़ो: "Before you… is the incandescence of a man… everything else an accessory." इसका मतलब बताओ कि लेखक identity और humanity को किस तरह समझाती हैं?

› पहले "incandescence" पहचानो: यह inner glow/light है।

› फिर "accessory" का मतलब पकड़ो: extra, not essential–मुख्य नहीं।

› अब "body" को outer "case" मानकर सोचो: जो बदल सकता है/छाया जैसा है।

› अंत में निष्कर्ष लिखो: असली इंसानियत अंदर के glow (incandescence) से आती है; बाहर की चीजें supporting/extra (accessory) हैं।

उत्तर – लेखक identity को शरीर के बाहरी रूप से नहीं, इंसान के अंदर के glow (incandescence) से जोड़ती हैं। इसलिए बाकी सारी चीजें–जो दिखती/सुविधा देती हैं–उसे "accessory" कहकर मुख्य नहीं मानतीं; असली humanity अंदर है।

उदाहरण 6. एक विद्यार्थी बोलता है: "मेरी drawing खराब है, मैं कुछ नहीं कर सकता।" Hawking के message के हिसाब से इस सोच को कैसे बदलोगे? 2 abilities लिखो जो तुममें हो सकती हैं, और 1 kindness वाली बात लिखो जो तुम दूसरों के लिए करोगे।

› पहले limitation पर टिकने की जगह सवाल बदलो: "मुझे क्या अच्छा आता है?"

› अपने skills सोचो–जैसे बोलना/समझाना/साफ-सफाई/चार्ट/याद करना/गिनती।

› abilities लिखो और उसी पर छोटा-सा लक्ष्य तय करो।

› अब kindness जोड़ो: दूसरों को उनकी abilities के हिसाब से मदद/प्रोत्साहन देना।

उत्तर – सीमित सोच बदलकर मैं कहूँगा: "मेरी drawing खराब हो सकती है, लेकिन मुझे बोलकर समझाना और ध्यान से पढ़कर याद करना अच्छा आता है।" इसलिए मेरी 2 abilities: (1) समझाकर बताना, (2) याददाश्त/पढ़ाई में मेहनत। और kindness के लिए मैं दूसरों को pity नहीं, बल्कि उनके अच्छे काम पर तारीफ/सहयोग करूँगा–जैसे किसी को उसका best effort दिखाने पर प्रोत्साहित करना।

उदाहरण 7. लेखक के emotions को सही क्रम में समझाइए: relief, exhilaration, guilt, admiration–और ये कैसे empathy, gratitude और changed journey तक पहुँचते हैं?

› Relief को पहचानो: लेखक को अपने शरीर की possibilities में बदलाव दिखता है

› Exhilaration जोड़ो: समय/बोलने का महत्व समझकर मन में उत्साह आता है

› Guilt समझो: लेखक महसूस करती है कि वह Hawking को जवाब देने के लिए मजबूर तो नहीं कर रही?

› Admiration तय करो: Hawking के honest replies और dignity से लेखक प्रभावित होती है

› अंत में takeaway बनता है: empathy (respect), gratitude (world kindness), changed journey (hope/possibilities)

उत्तर – पहले relief और exhilaration (possibilities महसूस होना), फिर guilt (respect के साथ बोलने का एहसास), और उसके बाद admiration (dignity और honest courage); इनसे empathy + gratitude विकसित होती है और journey का नज़रिया "limitations नहीं, possibilities" की तरफ बदल जाता है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

- Answer में 'stereotypes/patronise' और 'person beyond labels' जरूर लिखो।
- Answer में 'computer buttons' और 'machine-like voice' दोनों लिखना–ये direct book points हैं।
- NCERT में patronise vs respect वाला attitude difference लिखो–सिर्फ meaning नहीं, reasoning भी।
- Exam में 'patronise', 'sentimental pity' और 'respect for agency' के फर्क पर 2-3 लाइन लिखो।
- Board/NCERT answers में imagery-meaning जरूर लिखो: inner glow vs extra/not essential.
- Answer में 'abilities' और 'kindness/attitude change'–दोनों शब्द शामिल करो।
- Board answer में emotionsreasontakeaway जरूर लिखना: relief/exhilaration/guiltempathy/gratitudechanged journey.

एक नज़र में रिवीज़न

› Label के आगे इंसान: stereotype तोड़ो, respect रखो।

› Buttons दबे Computer voice बोले।

› Patronage = pity from above; Respect = dignity + agency.

› Choice-anguish-strength: pity नहीं, dignity+agency

› incandescence = inner glow; accessory = extra

› - Abilities पहले: respect, kindness, gratitude

› E+G+Admiration Changed journey (hope over limits)